नवंबर, 2026 के महीने के लिए उपोष्णकटिबंधीय (सबट्रॉपिकल) बागवानी कार्यों हेतु परामर्श

डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन - हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के किसानों को इस महीने के दौरान निम्नलिखित कृषि कार्यों को अपनाने की सलाह दी जाती है।

1. सब्जी उत्पादन

- रबी की फसलों और सब्जियों की बुवाई से पहले, खेतों को अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिए। मिट्टी के भौतिक और जैविक गुणों में सुधार करने, जल धारण क्षमता (water-holding capacity) बढ़ाने और पोषक तत्वों की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, मिट्टी में अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद (FYM) या कम्पोस्ट मिलाना चाहिए।
- सब्जियों की नर्सरी लगाने से पहले, मिट्टी को 'कटवर्म' (cutworms) से बचाने के लिए उपचारित (treat) करना चाहिए। सूखे मौसम के दौरान, पॉलीहाउस में उचित हवा का आवागमन (ventilation) बनाए रखना चाहिए, खासकर दिन के समय, ताकि अत्यधिक नमी न बढ़े और फफूंद (fungal) जनित रोगों को कम किया जा सके।

2. फल उत्पादन

- नवंबर का महीना पेड़ों के चारों ओर थाले (basins) तैयार करने और अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद (FYM) डालने के लिए बहुत उपयुक्त है। किसानों को गोबर की खाद को उपलब्ध जैविक अवशेषों और अन्य उपयुक्त कम्पोस्टिंग सामग्री के साथ अच्छी तरह मिलाना चाहिए और इसमें पर्याप्त नमी बनाए रखनी चाहिए। सभी जैविक अवशेषों को मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए, ताकि मिट्टी की सतह पर कोई भी अवशेष खुला न छूटे।
- नींबू वर्गीय फल (Citrus): मीठे संतरे की किस्म 'मोसंबी' नवंबर में पक जाती है। फलों को सावधानी से तोड़ें ताकि उनके छिलके को नुकसान न पहुंचे और कटाई के बाद वे सड़ें नहीं। जब फलों का रंग हरे से बदलकर हरा-पीला होने लगे और उनमें TSS (कुल घुलनशील ठोस पदार्थ) लगभग 12-14 oBrix हो जाए, तब उन्हें तोड़ लेना चाहिए। फलों की तुड़ाई सुबह के समय करें और उन्हें साफ, हवादार प्लास्टिक के क्रेट में इकट्ठा करें। तुड़ाई के तुरंत बाद उन्हें छाया में रख दें।
- फलों के बगीचों में, पौधों की उम्र, मिट्टी की स्थिति और मौजूदा मौसम के अनुसार मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें। अनावश्यक सिंचाई और जलभराव (waterlogging) से बचें। पौधों की उम्र के अनुसार, नवंबर महीने के लिए अनुशंसित सिंचाई कार्यक्रम का पालन करें।
- बाग की साफ-सफाई: बाग से सूखी, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त टहनियों, गिरी हुई पत्तियों और पौधों के कचरे को हटा दें। पेड़ों के बीच हवा का अच्छा संचार (वेंटिलेशन) बनाए रखें, ताकि कीड़े-मकोड़ों और बीमारियों का प्रकोप कम हो सके।
- सर्दियों से पहले बाग के प्रबंधन के लिए फलों के पेड़ों के तनों और मुख्य टहनियों पर सफेदी (चूना) लगाना एक महत्वपूर्ण काम है। इससे पेड़ 'सनबर्न' (धूप से झुलसने), छाल के फटने और सर्दियों में तापमान में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षित रहते हैं। किसानों को सलाह दी जाती

है कि सफेदी लगाने से पहले, तने पर ढीली या मृत छाल को जूट की बोरी से हल्के हाथों से रगड़कर हटा दें। सफेदी का घोल बनाने के लिए 2 किलो बुझा हुआ चूना, 10 लीटर पानी, 200 ग्राम कॉपर सल्फेट, 15 ग्राम कार्बोलिक एसिड और 40 ग्राम गोंद या फेविकोल DDL को अच्छी तरह मिला लें। इस तैयार घोल को तने पर 1.0 से 1.5 मीटर की ऊंचाई तक और मुख्य टहनियों पर समान रूप से लगा दें।

3. मौसम संबंधी सलाह

- हिमाचल प्रदेश के उपोष्णकटिबंधीय (subtropical) क्षेत्रों के किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम के पूर्वानुमान और कृषि संबंधी सलाहों की जानकारी रखने के लिए नियमित रूप से रेडियो प्रसारण सुनें, टेलीविजन देखें और समाचार पत्र पढ़ें।
- किसानों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे 'मेघदूत' (MEGHDOOT) मोबाइल एप्लिकेशन का नियमित उपयोग करें। इसके जरिए वे अपनी स्थानीय भाषा में अपने क्षेत्र के अनुसार कृषि-मौसम संबंधी सलाह प्राप्त कर सकते हैं और फसलों के लिए सुझाई गई तकनीकों को अपना सकते हैं।

मासिक उपोष्णकटिबंधीय फसल सलाहकार समिति
यूएचएफ-नौणी, सोलन (हिमाचल प्रदेश)

ADVISORY FOR SUBTROPICAL HORTICULTURAL PRACTICES FOR THE MONTH OF NOVEMBER, 2026

Dr. YS Parmar University of Horticulture and Forestry Nauni Solan-Himachal Pradesh

The farmers of the subtropical regions of Himachal Pradesh are advised to follow the following cultural operations during this month.

1. Vegetable Production

- Before sowing Rabi crops and vegetables, fields should be thoroughly cleaned and well-decomposed farmyard manure (FYM) or compost should be incorporated into the soil to improve its physical and biological properties, enhance water-holding capacity and ensure better nutrient availability.
- Soil should also be treated against cutworms before sowing vegetable nurseries. During dry weather, proper ventilation should be maintained in polyhouses, particularly during daytime, to prevent excessive humidity and minimize the occurrence of fungal diseases.

2. Fruit Production

- November is also an ideal time for the preparation of tree basins and application of well-decomposed farmyard manure (FYM). Farmers should collect and properly mix farmyard manure with available organic residues and other suitable composting materials, and maintain adequate moisture. All organic residues should be properly incorporated into the soil, ensuring that no organic residues are left exposed on the soil surface.
- **Citrus**: Sweet Orange variety Mosambi matures in November. Handle fruits gently to prevent peel injuries and post harvest decay. Harvest mature fruits at turning of fruit surface color from green to greenish yellow having TSS around 12-14 ^{o}Brix. Harvest the fruits during the morning hours and collect in clean, ventilated plastic crates. Keep them under shade immediately after harvesting.
- Maintain adequate soil moisture in orchards according to crop age, soil conditions and prevailing weather. Avoid unnecessary irrigation and waterlogging. Follow the recommended November irrigation schedule as per the age of the plants.
- Orchard sanitation: Remove dried, diseased and damaged branches, fallen leaves and plant debris from orchards. Maintain proper canopy ventilation to reduce the incidence of insect pests and diseases.
- Whitewashing of fruit tree trunks and exposed primary branches is an important pre-winter orchard management practice to protect trees from sunburn, bark cracking and temperature fluctuations during winter. Farmers are advised to remove loose and dead bark by gently rubbing the trunk with a jute mat before whitewashing. The whitewash solution can be prepared by thoroughly mixing 2 kg slaked lime, 10 litres of water, 200 g copper sulphate, 15 g carbolic acid and 40 g gum or Fevicol DDL. Apply the prepared solution uniformly to the trunk up to a height of 1.0–1.5 m and on the exposed primary branches.

3. Weather Advisory

- Farmers of the subtropical regions of Himachal Pradesh are advised to regularly listen to radio broadcasts, watch television and read newspapers to remain informed about weather forecasts and agricultural advisories.
- Farmers are further advised to regularly use the MEGHDOOT mobile application to access location-specific agrometeorological advisories in their local language and follow the recommended crop-specific practices.

Monthly Subtropical Crop Advisory Committee
UHF-Nauni, Solan (HP)